भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 3825 #

गुरूवार, 3 अप्रैल, 2025/13 चैत्र, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

उत्तर प्रदेश पर्यटन उद्योग के समक्ष चुनौतियाँ

3825 # डा. लक्ष्मीकान्त बाजपेयी:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उत्तर प्रदेश (यूपी) में पर्यटन उद्योग के समक्ष आने वाली विभिन्न चुनौतियाँ कौन-कौन सी हैं, जो राज्य की समृद्ध विरासत और सांस्कृतिक आकर्षणों की पूर्ण क्षमता को बाधित कर रही हैं, इसके लिए जिम्मेदार कारकों के आधार पर चुनौतियों का ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार की कौन-कौन सी विभिन्न योजनाएँ और नीतियाँ हैं, जिनके माध्यम से इन क्षेत्रों में सुधार के लिए उपाय किए जा रहे हैं और विगत पाँच वर्षों के दौरान, विशेष रूप से प्रमुख आकर्षणों के संबंध में, उपलब्धियों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) विगत पाँच वर्षों के दौरान इस उद्देश्य के लिए उत्तर प्रदेश में वर्ष-वार और जिला-वार कितनी धनराशि आवंटित और व्यय की गई है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): पर्यटक गंतव्यों और उत्पादों का विकास एवं संवर्धन संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। पर्यटन मंत्रालय विभिन्न योजनाओं और पहलों के माध्यम से उत्तर प्रदेश सहित देश के विभिन्न पर्यटन उत्पादों का विकास और संवर्धन करके राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के प्रयासों को संपूरित करता है। पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटकों के अनुभव को बढ़ाने के लिए निम्नलिखित पहलें की हैं:

- देश में पर्यटन अवसंरचना को बढ़ाने के लिए, पर्यटन मंत्रालय, 'स्वदेश दर्शन (एसडी)', 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता' नामक अपनी केन्द्रीय क्षेत्र की योजनाओं के माध्यम से उत्तर प्रदेश राज्य सहित, राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केन्द्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

- पर्यटन मंत्रालय ने अब गंतव्य एवं पर्यटन केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी एवं जिम्मेदारीयुक्त गंतव्य के विकास के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के तौर पर नया रूप दिया है।

- भारत सरकार ने पूंजीगत निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना (एसएएससीआई) - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटक केन्द्रों का विकास के तहत उत्तर प्रदेश में दो परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

- पर्यटन मंत्रालय समर्पित पर्यटन पुलिस की स्थापना के लिए सभी राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र (यूटी) प्रशासनों के समक्ष इस मामले को लगातार उठाता रहा है। उत्तर प्रदेश राज्य सरकार ने किसी न किसी रूप में पर्यटक पुलिस की तैनाती की है।

- पर्यटन मंत्रालय ने स्थाई पर्यटन के लिए एक राष्ट्रीय कार्यनीति तैयार की है और देश में स्थाई पर्यटन को बढ़ावा देने एवं पर्यटकों और पर्यटन व्यवसायों को स्थायी पर्यटन प्रथाओं को अपनाने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए ट्रेवल फॉर लाइफ कार्यक्रम की शुरूआत की है।

- मंत्रालय बेहतर सेवा मानक प्रदान करने के लिए जनशक्ति को प्रशिक्षित और उन्नत करने हेतु सेवा प्रदाताओं के लिए क्षमता निर्माण (सीबीएसपी) योजना के तहत कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।

- देश भर के पर्यटन स्थलों पर स्थानीय, प्रशिक्षित पेशेवरों का एक पूल उपलब्ध कराकर पर्यटकों के समग्र अनुभव को बढ़ाने के लिए, मंत्रालय ने अतुल्य भारत पर्यटक सुविधाप्रदाता (आईआईटीएफ) प्रमाणन कार्यक्रम - एक अखिल भारतीय ऑनलाइन शिक्षण कार्यक्रम शुरू किया।

- पर्यटन मंत्रालय देश के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों का समग्र रूप से संवर्धन करने के लिए संभावित अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू बाजारों में अनेक संवर्धनात्मक कार्यकलाप करता है। इसमें मीडिया अभियान, सोशल मीडिया प्रचार, वेबिनार, प्रचारात्मक कार्यक्रमों में भागीदारी और सहयोग, वेबसाइट के माध्यम से सूचना का प्रचार-प्रसार और जुड़ाव आदि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, विदेश स्थित भारतीय मिशन भी देश के विभिन्न पर्यटक गंतव्यों में और अधिक वैश्विक यात्रियों को आकर्षित करने के लिए विभिन्न संवर्धनात्मक कार्यकलाप करते हैं।

- पर्यटन मंत्रालय ने भारत में यात्रा से संबंधित सूचना के संदर्भ में सहायता सेवा प्रदान करने और भारत में यात्रा के समय विपत्ति में फंसे पर्यटकों को उचित मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु घरेलू और विदेशी पर्यटकों के लिए 24x7 बहुभाषी पर्यटक सूचना-हेल्पलाइन स्थापित की है।

एसडी, एसडी 2.0, प्रशाद, पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता और एसएएससीआई योजनाओं के तहत उत्तर प्रदेश राज्य के लिए स्वीकृत निधियों का ब्यौरा **अनुबंध** में दिया गया है।

*****

अनुबंध

डा. लक्ष्मीकान्त बाजपेयी द्वारा उत्तर प्रदेश पर्यटन उद्योग के समक्ष चुनौतियाँ के संबंध में दिनांक 03.04.2025 को पूछे जाने वाले राज्य सभा के लिखित प्रश्न संख्या 3825 # के भाग (क) से (ग) के उत्तर में **विवरण**

स्वदेश दर्शन योजना

(करोड़ रु. में)

क्र.सं.	**परिपथ / स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**	**जारी/प्राधिकृत* राशि**
1.	बौद्ध परिपथ 2016-17	श्रावस्ती, कुशीनगर और कपिलवस्तु का विकास	87.89	72.56
2.	रामायण परिपथ 2016-17	चित्रकूट और श्रृंगवेरपुर का विकास	69.45	64.09
3.	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	अहर - अलीगढ़ - कासगंज - सरोसी (उन्नाव) - प्रतापगढ़ - कौशांबी - मिर्जापुर - गोरखपुर - डुमरियागंज - बस्ती - बाराबंकी - आजमगढ़ - कैराना - बागपत - शाहजहांपुर का विकास	71.91	69.63
4.	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	बिजनौर - मेरठ - कानपुर - कानपुर देहात - बांदा - गाजीपुर - सलेमपुर - घोसी - बलिया - अंबेडकरनगर - अलीगढ़ - फतेहपुर - देवरिया - महोबा - सोनभद्र - चंदौली - मिश्रिख - भदोही का विकास	67.51	64.14
5.	विरासत परिपथ 2016-17	कालिंजर किले (बांदा) - मगहर धाम (संतकबीर नगर) - चौरीचौरा, शहीद स्थल (फतेहपुर) - महुआर शहीद स्थल (घोसी) - शहीद स्मारक (मेरठ) का विकास	36.65	36.65
6.	रामायण परिपथ 2017-18	अयोध्या का विकास	127.21	115.46
7.	आध्यात्मिक परिपथ 2018-19	जेवर - दादरी - सिकंदराबाद - नोएडा - खुर्जा - बांदा का विकास	12.03	11.43

8.	आध्यात्मिक परिपथ 2018-19	गोरखनाथ मंदिर (गोरखपुर), देवीपट्टन मंदिर (बलरामपुर) और वटवाशनी मंदिर (डुमरियागंज) का विकास	18.30	18.12
9.	मार्गस्थ सुविधाएं 2018-19	सडक परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के सहयोग से उत्तर प्रदेश और बिहार में वाराणसी - गया; कुशीनगर - गया - कुशीनगर में मार्गस्थ सुविधाओं का विकास	15.07	14.32

* केन्द्रीय क्षेत्र की योजना के लिए टीएसए मॉडल I के माध्यम से सीएनए को प्राधिकृत की राशि शामिल है।

एसडी 2.0

क्र.सं.	गंतव्य	एक्सपीरियंस का नाम	स्वीकृत लागत (करोड़ रु. में)	स्वीकृति तिथि
1.	प्रयागराज	आजाद पार्क और देखो प्रयागराज ट्रेल एक्सप्रेस	13.02	05-03-2024
2.	नैमिसार्य	वैदिक - वेलनेस एक्सपीरियंस	15.94	05-03-2024

प्रशाद योजना

क्र.सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	अनुमोदित लागत (करोड़ रु. में)	जारी राशि (करोड़ रु. में)
1.	वाराणसी का विकास - चरण-I	2015-16	18.73	18.73
2.	मथुरा-वृंदावन का मेगा पर्यटक परिपथ के रूप में विकास (चरण-II)	2014-15	10.98	10.98
3.	वाराणसी में नदी क्रूज पर्यटन का विकास	2017-18	9.02	9.02
4.	वृंदावन में पर्यटक सुविधा केंद्र का निर्माण	2014-15	9.36	9.36
5.	वाराणसी का विकास - चरण-II	2017-18	44.60	31.77
6.	गोवर्धन में अवसंरचना सुविधाओं का विकास	2018-19	37.59	30.97

पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता योजना

क्र.सं.	परियोजना का नाम	एजेंसी	स्वीकृति तिथि	स्वीकृत राशि (लाख रु. में)	जारी राशि (लाख रु. में)
1	वाराणसी/सारनाथ में स्मारकों का प्रदीप्तिकरण (सारनाथ में धमेख स्तूप, सारनाथ में चौखंडी स्तूप, सारनाथ में लालकन का मकबरा और बनारस में मान महल)	आईटीडीसी	28-02-2015	512.43	381.47
2	वाराणसी, उत्तर प्रदेश में तीन स्मारकों का प्रदीप्तिकरण: 1. दशाश्वमेध घाट से दरभंगा घाट (300 मी. फैलाव) 2. तुलसी मानस मंदिर 3. सारनाथ संग्रहालय	सीपीडब्ल्यूडी	21-12-2017	293.55	293.55

पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई योजना) - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों का विकास

क्र.सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृत लागत (करोड़ रु. में)	जारी राशि (करोड़ रु. में)
1.	आगरा जिले में बटेश्वर का विकास	74.05	101.83
2.	श्रावस्ती में एकीकृत बौद्ध पर्यटन विकास	80.24	

*****